हरित सागर: हरित पत्तन दिशा-निर्देश 2023

प्रिलिम्स के लिये:

हरित सागर: हरित पत्तन दिशा-निर्देश 2023, ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य, सागर श्रेष्ठ सम्मान पुरस्कार, ग्रीन रिपोर्टिंग इनीशिएटिव (GRI) मानक

मेन्स के लिये:

हरित सागर: हरित पत्तन दिशा-निर्देश 2023, ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्रालय** ने ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये **'हरित सागर' हरित पत्तन दिशा-निर्देश 2023** लॉन्च किया है।

- विभिन्न परिचालन मापदंडों में असाधारण उपलब्धियों के लिये प्रमुख पत्तनों को **सागर श्रेष्ठ सम्मान पुरस्कार** भी प्रदान किया गया।

हरित सागर दिशा-निर्देश 2023:

- **परिचय:**
  - हरित सागर एक संस्कृत शब्द है जिसका अर्थ है **"हरित महासागर"**। यह **भारत के पत्तनों को पर्यावरण के अधिक अनुकूल और टिकाऊ बनाने के दृष्टिकोण** को दर्शाता है।
  - यह पत्तनों से संबंधित राष्ट्रीय हरित हाइड्रोजन मिशन के पहलुओं, हरित हाइड्रोजन सुविधा के विकास, LNG बंकरिंग और अपतटीय पवन ऊर्जा सहित अन्य पहलुओं को भी कवर करता है।
  - ये दिशा-निर्देश **वैश्विक ग्रीन रिपोर्टिंग इनिशिएटिव (GRI) मानक को अपनाने का प्रावधान** भी प्रदान करते हैं।
- **उद्देश्य:**
  - नवीकरणीय ऊर्जा, जल संरक्षण, **जैवविविधता संरक्षण और** जलवायु लचीलापन जैसे हरित पत्तन विकास और संचालन के लिये सर्वोत्तम प्रथाओं एवं प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना।
  - पत्तन संचालन द्वारा शून्य अपशिष्ट निर्वहन लक्ष्य प्राप्त करने हेतु **रिड्यूस, रियूज़, रिपरपोज़ और रिसाईकल** के माध्यम से कचरे को कम करना।
  - **विभिन्न संकेतकों और मापदंडों** के आधार पर पत्तनों के **पर्यावरणीय प्रदर्शन का आकलन और बेंचमार्किंग** निर्धारित करने के लिये एक **रेटिंग प्रणाली स्थापित** करना।
  - **पर्यावरणीय उत्कृष्टता और स्थिरता** के उच्च मानकों को प्राप्त करने वाले **पत्तनों को प्रोत्साहित करना और पहचानना**।
  - पत्तन के बुनियादी ढाँचे और सेवाओं की योजना, डिज़ाइन, निर्माण, संचालन एवं रख-रखाव में हरित पत्तन सिद्धांतों के एकीकरण की सुविधा प्रदान करना।
- **महत्त्व:**
  - यह पेरिस समझौते एवं सतत् विकास लक्ष्यों के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना और स्वच्छ भारत मिशन जैसी राष्ट्रीय नीतियों तथा पहलों के तहत भारत की प्रतिबद्धताओं के अनुरूप है।
  - इसके तहत एक ज़िम्मेदार **समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत की छवि एवं प्रतिष्ठा को बढ़ाने** की अपेक्षा की जाती है जो अपने पर्यावरण और लोगों की परवाह करता है।
  - इससे पत्तन क्षेत्र में **नवाचार, निवेश, रोज़गार और सहयोग के नए अवसर** सृजित होने की उम्मीद है।
- **लाभ:**
  - **दक्षता, विश्वसनीयता, सुरक्षा और सेवा की गुणवत्ता** में सुधार कर **पत्तनों की प्रतिस्पर्द्धात्मकता और आकर्षण** को बढ़ाना।
  - संसाधनों के इष्टतम उपयोग और अपशिष्ट को कम करके **परिचालन लागत को कम करना** तथा **पत्तनों की राजस्व अर्जित करने की क्षमता में वृद्धि** करना।
  - **पर्यावरण अनुपालन** में सुधार।

- ◦ [ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन](), **वायु प्रदूषण, ध्वनि प्रदूषण, जल प्रदूषण** और [समुद्री अपशिष्ट]() को कम करके पर्यावरणीय प्रभावों एवं बंदरगाहों के जोखिम को कम करना।
  - कम कार्बन और [चक्रीय अर्थव्यवस्था]() (Circular Economy- CE) में परिवर्तन का समर्थन करके सतत् विकास एवं जलवायु कार्रवाई के राष्ट्रीय तथा वैश्विक लक्ष्यों में योगदान देना।

कार्यान्वयन की चुनौतियाँ और बाधाएँ:

- बंदरगाह हितधारकों के बीच **जागरूकता और क्षमता** की कमी।
- विभिन्न एजेंसियों और क्षेत्रों के बीच **समन्वय एवं सहयोग** का अभाव।
- **बंदरगाहों के पर्यावरणीय पहलुओं पर अपर्याप्त डेटा** और जानकारी।
- **पर्यावरण अनुपालन के लिये कमज़ोर प्रवर्तन** और निगरानी तंत्र।

हरित पत्तन के विकास हेतु भारत के प्रयास:

- **पहल:**
  - **हरित पत्तन पुरस्कार, हरित बंदरगाह पॉलिसी और सागरमाला कार्यक्रम।**
- **लक्ष्य निर्धारित करना:**
  - बंदरगाहों में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़ाना, **प्रति टन कार्गो के संचालन में कार्बन उत्सर्जन को कम करना और बंदरगाह संचालन के लिये हरित ईंधन** एवं प्रौद्योगिकियों को अपनाना।
- **पायलट देश के रूप में चयन:**
  - ग्रीन शिपिंग से संबंधित **एक पायलट परियोजना का संचालन करने के लिये भारत को IMO ग्रीन वॉयज 2050 (Green Voyage 2050) परियोजना** के तहत पहले देश के रूप में चुना गया।

सागर श्रेष्ठ सम्मान पुरस्कार:

- **भारत** में प्रमुख बंदरगाहों को विभिन्न **परिचालन मापदंडों में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिये** बंदरगाह, नौवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा **सागर श्रेष्ठ सम्मान पुरस्कार** प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार उन बंदरगाहों को मान्यता देता है जो पर्यावरणीय उत्कृष्टता और स्थिरता के उच्च मानकों को प्रदर्शित करते हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के लिये पुरस्कार:

//

निष्कर्ष:

- हरित सागर दिशा-निर्देश एक दूरदर्शी पहल है जो भारतीय बंदरगाह क्षेत्र को बदल देगा और इसे बदलती जलवायु और बाज़ार की स्थितियों के मुकाबले अधिक टिकाऊ और लचीला बना देगा।
- **दिशा-निर्देशों से न केवल बंदरगाहों बल्कि पर्यावरण और समाज को भी बड़े पैमाने** पर लाभ होगा।
    - वे एक ज़िम्मेदार समुद्री राष्ट्र के रूप में भारत की छवि और प्रतिष्ठा को भी बढ़ाएंगे जो अपने पर्यावरण और लोगों की परवाह करता है। हरित सागर **दिशा-निर्देश का एक उदाहरण यह है कि भारत किस तरह हरित बंदरगाह विकास और संचालन** में अग्रणी है।

स्रोत: पी. आई. बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/harit-sagar-the-green-port-guidelines-2023